हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 4 अप्रैल 2025

11 श्रीकृष्ण सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छात्रा रितु ने मारी बाजी

12 कनीना अनाज मंडी में 30766 क्विंटल सरसों की हुई खरीद

5 साल में दो गुना से अधिक बढ़ गया जिले में बीपीएल परिवार का आंकड़ा

- परिवार पहचान पत्र से राशन कार्ड को जोड़ने के बाद जिले में लगातार बढ़ रही बीपीएल राशन कार्ड धारकों की संख्या
- महेंद्रगढ़ में साल 2019 में 72537 परिवार बीपीएल, 2025 में 184348 परिवार बीपीएल दोगुना से अधिक पहुंचा आकंड़ा
- अब सरकार नागरिकों से आय ठीक करने की कर रही अपील, नागरिक राजनीति से जोड़ रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

साल 2020 में मनोहर लाल ने योजनाओं में पारदर्शिता लाने के लिए प्रदेश में परिवार पहचान पत्र योजना को लागू किया। जिसमें परिवार के आधार कार्ड की जानकारी के अलावा जाति, आय सहित अन्य जानकारी दर्ज करवाई गई। पत्र में जाति का सत्यापन के लिए राजस्व विभाग के पटवारी की ड्यूटी लगाई गई और विभाग ने आय सत्यापन के लिए परिवार पहचान पत्र की टीम को गठित किया गया। जिसने घर घर जाकर परिवारों की आय को सत्यापन किया। परिवार पहचान पत्र को हरियाणा की सभी योजनाओं से जोड़ने का कार्य किया। नवम्बर 2020 में खाद्य आपूर्ति विभाग ने अपना सम्पूर्ण डाटा परिवार पहचान पत्र से जोड़ने का कार्य किया और सरकार ने दिसम्बर 2022 में पहली बार परिवार पहचान पत्र से राशन कार्ड बनाने का कार्य किया। जनवरी 2023 में पहली बार हरियाणा के निवासियों को परिवार पहचान पत्र से राशन वितरित किया गया था। इस प्रकार खाद्य आपूर्ति विभाग पूरी तरह से परिवार पहचान पत्र पर निर्भर हो गया। अब राज्य में राशन कार्ड बनाने का कार्य ऑटो मोड पर पूर्ण रूप से नागरिक संसाधन सूचना विभाग पास हो गया। किसी भी नागरिक को बीपीएल राशन कार्ड बनाने के लिए कही भी घूमने की जरूरत नहीं थी बल्कि ऑटो मोड पर नागरिक के पास परिवार पहचान पत्र में पंजीकृत मोबाइल पर संदेश जारी किया गया। इसके बाद नागरिक बीपीएल की योजनाओं का फायदा लेने लगे। इस प्रकार काफी अयोग्य परिवारों को भी बीपीएल परिवार से जोड़ा गया। सूत्रों की माने तो एक ही परिवार में आय को कम करने के लिए दो से चार तक परिवार पहचान पत्र बनवाए गए और सभी बीपीएल योजनाओं का लाभ लेने लगे। इस प्रकार काफी योग्य परिवार बीपीएल योजना से वंचित है।

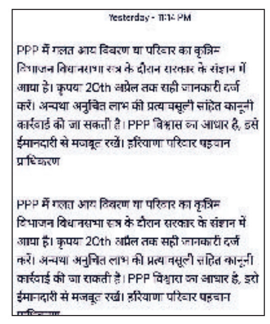
Yesterday - 11:14 PM

PPP में गलत आय विवरण या परिवार का कृत्रिम विभाजन विधानसभा सत्र के दौरान सरकार के संज्ञान में आया है। कृपया 20th अप्रैल तक सही जानकारी दर्ज करें। अन्यथा अनुचित लाभ की प्रत्यावसूली सहित कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। PPP विश्वास का आधार है, इसे ईमानदारी से मजबूत रखें। हरियाणा परिवार पहचान प्राधिकरण

PPP में गलत आय विवरण या परिवार का कृत्रिम विभाजन विधानसभा सत्र के दौरान सरकार के संज्ञान में आया है। कृपया 20th अप्रैल तक सही जानकारी दर्ज करें। अन्यथा अनुचित लाभ की प्रत्यावसूली सहित कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। PPP विश्वास का आधार है, इसे ईमानदारी से मजबूत रखें। हरियाणा परिवार पहचान प्राधिकरण

नारनौल। विभाग द्वारा नागरिकों को भेजा गया सन्देश।

जिले में साल वाइज बीपीएल कार्ड की स्थिति

वर्ष	बीपीएल कार्ड संख्या
2019	72537
2020	74857
2021	77781
2022	79487
2023	115502
2024	161357
2025	184348

नागरिक असमंजस की स्थिति में

अब नागरिक असमंजस की स्थिति में है कि किसको बीपीएल राशन कार्ड सरेंडर करना है किसको नहीं। नागरिक को आय की ठीक गणना किस प्रकार करनी हैं इस विषय में विभाग द्वारा कोई भी दिशा निर्देश जारी नहीं किए गए है। बहुत से नागरिक सन्देश सूचना को लेकर परेशान है और वो बार बार सीएससी सेंटरों के चक्कर लगा रहे है लेकिन सीएससी संचालक उनको गाइड करने में असमर्थ दिखाई दे रहे है।

नागरिक संसाधन सूचना विभाग ने नागरिकों के पास भेजे सन्देश

विभाग ने बीते चार दिनों से लगातार नागरिकों को आय में त्रुटि ठीक करने के सन्देश भेजे जा रहे है। जिसमे लिखा है कि 'परिवार पहचान पत्र में गलत आय विवरण या परिवार का कृत्रिम विभाजन विधानसभा सत्र के दौरान सरकार के संज्ञान में आया है। कृपया 20 अप्रैल तक सही जानकारी दर्ज करें। अन्यथा अनुचित लाभ की प्रत्यावसूली सहित कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। परिवार पहचान पत्र विश्वास का आधार है, इसे ईमानदारी से मजबूत रखें। हरियाणा परिवार पहचान प्राधिकरण।'

नागरिक बीपीएल परिवार को राजनीति से जोड़ रहे

बहुत से बीपीएल धारक नागरिक इस सन्देश को राजनीति से जोड़ रहे है। उनका कहना है कि हमने बीपीएल राशन कार्ड के लिए अप्लाई नहीं किया था। सरकार ने खुद बीपीएल श्रेणी में शामिल किया है। विभाग के सन्देश प्राप्त होने के बाद ही योजनाओं का लाभ शुरू किया था। परिवार पहचान पत्र बनवाते समय आय गणना के कोई भी निर्देश नहीं दिए। फिर भी नागरिकों के द्वारा अनुमान से आय का विवरण दर्ज किया गया। उसके बाद ही विभाग के कर्मचारियों ने परिवार की आय को सत्यापित किया। आय सत्यापन के बाद ही नागरिक बीपीएल श्रेणी में शामिल हुए। कुछ नागरिकों का कहना है कि प्रदेश में चुनाव होने की वजह से बीपीएल राशन कार्ड धारकों की संख्या बढ़ाई गई और चुनाव खत्म होते ही बीपीएल राशन कार्ड धारकों की छटनी शुरू कर दी।

खबर संक्षेप

हरियाणा दलित विकास मंच की बैठक 6 को

मंडी अटेली। हरियाणा दलित विकास मंच की आम बैठक छह अप्रैल को तहसील परिसर अटेली में सुबह 11 बजे बाबू रामानंद की अध्यक्षता में होगी। आम बैठक की जानकारी देते हुए अशोक पार्षद व कंवरपाल बाबू ने संयुक्त बयान में बताया कि होने वाली बैठक में 14 अप्रैल को भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाने की रणनीति तैयार की जाएगी। मंच के पदाधिकारियों को प्रचार की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। उन्होंने बताया कि बैठक में मुख्य रूप से दलित चिंतक वह समाज सेवक डॉक्टर भीमराव अंबेडकर सेवा स्कॉलरशिप अवार्ड से सम्मानित सुबेसिंह सैदपुर भी उपस्थित होंगे। उन्होंने सभी अंबेडकर अनुयायियों से समय पर पहुंचने का आग्रह किया।

सात को लगेगा विशेष सुनवाई शिविर

नारनौल। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के अधीक्षक अभियंता जोगेंद्र हुड्डा ने बताया है कि सात अप्रैल को उपभोक्ताओं की बिजली बिल संबंधी शिकायतों के समाधान के लिए विशेष सुनवाई शिविर आयोजित किया जाएगा। यह शिविर बिजली बोर्ड के सर्कल कार्यालय में दोपहर 12 बजे से दोपहर दो बजे तक चलेगा। इस विशेष शिविर में केवल उन्हीं उपभोक्ताओं की शिकायतें सुनी जाएंगी, जिनके बिल 50 हजार से एक लाख तक हैं।

बाबा ठाडेसर महाराज का मेला छह को, होंगे खेल

मंडी अटेली। गांव मिर्जापुर बाछौद में छह अप्रैल को हनुमान जी की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा व बाबा ठाडेसर महाराज का मेला तथा खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी। जानकारी देते हुए बाबा ठाडेसर कमेटी के प्रधान चंद्रमण शर्माने बताया कि मेले में नेशनल कबड्डी प्रतियोगिता में प्रथम विजेता टीम को 51 हजार, द्वितीय 31 हजार, तृतीय 6100 चौथे स्थान प्राप्त करने वाली विजेता टीम को 5100 रुपये का नगद पुरस्कार दिया जाएगा, वहीं अंडर 14 कबड्डी में प्रथम विजेता टीम को 7100 द्वितीय 5100, तृतीय 3100 रुपये का नगद पुरस्कार दिया जाएगा।

पुराने स्टॉक को खाली करके नया भरने में लगाई ताकत

नई सरसों की लैब कंडीशन 42 के पार होने से सौदागरों ने गांवों में बढ़ाई सक्रियता

- ऑयल मिलों की डिमांड बढ़ने से सरसों के मार्केट भावों में आया उछाल, 42 लैब कंडीशन की सरसों 7000 रुपये प्रति क्विंटन बिकने की चर्चाओं से किसानों में उत्साह

हरिभूमि न्यूज ⏭ नांगल चौधरी

मंडियों में सरसों की खरीद जारी है, किंतु अभी आवक ने रफ्तार नहीं पकड़ी है। खरीद को शुरू हुए सात दिन बीत चुके और नांगल चौधरी अनाज मंडी में लगभग नौ हजार कट्टों की आवक हुई है। जबकी बीते साल पहले सप्ताह में ही मंडी से करीब 1.50 कट्टों की खरीद हो गई थी। आवक की धीमी रफ्तार के पीछे मार्केट भावों में आए उछाल को माना जा रहा है, जिस कारण किसानों ने इंतजार करना आरंभ कर दिया है।

आपको बता दें कि रबी सीजन में सरसों की नकदी फसल होती है। इस फसल को बेचकर किसान पूरे साल का बजट निर्धारित करता है। नांगल चौधरी के अंतर्गत गांवों में 30 हजार एकड़ से अधिक रकबे पर सरसों की बुवाई हुई थी। जनवरी-फरवरी महीने से बारिश होने से फसल पर जोरदार पकाव आया है साथ ही दाने में वजन और तेल की मात्रा बढ़ गई। बीते साल सरसों की लैब कंडीशन 37-38 फीसदी की एवरेज निकाली गई थी। अबकी बार लैब कंडीशन 42 के पार दर्ज हो रही है। इसलिए ऑयल मील संचालकों ने गोदाम भरने आरंभ कर दिए हैं। डिमांड बढ़ते ही गांवों में सौदागर सक्रिय हो गए और किसानों से घर पर सरसों खरीदनी आरंभ कर दी। दत्ताल, नांगल नूनिया, नायन, नोलाजा, मेघोत समेत कई गांवों में 5800 से 5900 तक नई सरसों खरीदी जा रही है।

दूसरी तरफ मंडी में सरसों का समर्थन मूल्य 5950 निर्धारित किया है, यहां किसानों को वाहनों का किराया वहन करने के साथ मजदूरी का भुगतान करना होता है। जबकी ग्रामीण सौदागर मजदूरी व लेबर का खर्चा स्वयं वहन करते हैं। इसलिए अधिकांश किसान मंडी की अपेक्षा सौदागरों को फसल बेचना उचित समझ रहे हैं।

मंडी की आवक पर नजर डाली जाए तो 27 अप्रैल को खरीद शुरू हुई थी, पहले दिन 40 कट्टे खरीदे गए हैं। इसके बाद तीन अप्रैल तक लगभग 9000 कट्टे तक ही खरीद का आंकड़ा पहुंच पाया है। अभी तो केंद्रीय खरीद एजेंसी नैफेड के लिए खरीद हो रही है, इसके बाद हैफेड की मार्फत स्टेट सरकार खरीद करेगी। इसी खरीद प्रक्रिया में हैफेड की नारनौल ऑयल मील के लिए भी सरसों की खरीद होनी है लेकिन कम आवक के चलते बीते साल वाले खरीद के आंकड़े को छूना संभव नहीं लग रहा।

नांगल चौधरी। मंडी में समर्थन मूल्यों पर बिक्री के पहुंची सरसों। फोटो : हरिभूमि

पुरानी सरसों को बेचकर फसल से गोदाम भरने की तैयारी

सूत्रों के अनुसार बीते साल की सरसों में तेल की मात्रा 38 फीसदी के आसपास है। अबकी बार एक क्विंटन में चार लीटर तेल अधिक रहने से व्यापारी नई सरसों के स्टॉक को प्राथमिकता दे रहे हैं। कुछ सौदागर किसानों के टोकन पर पुरानी सरसों को मंडी में बेचकर नई सरसों को स्टॉक में लगा रहे हैं। बीते साल सरसों की क्वालिटी भी अच्छी नहीं थी, अबकी बार दाना मोटा और वजनदार होने से सौदागर मुनाफा देख रहे हैं।

मार्केट भाव में उछाल आना भी कम आवक का कारण

खरीद कमेटी के इंचार्ज सुनील चौधरी ने बताया कि खरीद शुरू हुए आठ दिन बीत गए हैं। अभी तक आवक ने रफ्तार नहीं पकड़ी है क्योंकि मार्केट में पांच-सात दिनों से सरसों के भाव लगातार उछल रहे हैं। जिससे किसानों में अच्छा भाव लेने की जिज्ञासा जागृत हो गई। इसके अलावा अभी सरसों में नमी भी है। नमी के कारण रोजाना 20-25 ढेरियों को रिजेक्ट करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि निर्धारित मापदंडों को पूरा करने पर ही समर्थन मूल्य पर खरीद करना संभव हो पाएगा।

सौदागरों की सक्रियता से सरकार को राजस्व नुकसान

कुछ जागरूक व्यापारियों की मानें तो ऑयल मील संचालकों को सीधा किसानों से सरसों खरीदने में फायदा रहता है। क्योंकि मंडी से खरीद करने पर मार्केट कमेटी टैक्स तथा आढ़त का भुगतान करना होता है। सीधा किसानों से खरीद करके गोदामों को भरा जा रहा है, जिस कारण गांवों में सौदागरों ने भागदौड़ तेज कर दी है। दूसरी और सौदागरों को सरसों देने पर किसानों को वाहन किराया व लेबर खर्चे की बचत होती है।

नारनौल। वेयरहाउस का निरीक्षण करते डीसी डॉ. विवेक भारती। फोटो : हरिभूमि

डीसी ने किया ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण

नारनौल। मुख्य निर्वाचन अधिकारी हरियाणा के निर्देशों की अनुपालना में तथा भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार वीरवार उपायुक्त डॉ विवेक भारती ने ईवीएम वेयरहाउस, नजदीक सभागार भवन, नारनौल का तिमाही भौतिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ईवीएम वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था जांच की गई। इस मौके पर तहसीलदार चुनाव सुरेंद्र सिंह भी मौजूद थे। निरीक्षण के दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) से सुशील चौटाला, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) से प्रमोद कटारिया, जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) से वीरेंद्र यादव तथा इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) से विजय सैनी सहित अन्य संबंधित कर्मचारी और अधिकारी इस मौके पर मौजूद रहे।

बाबा खेतानाथ राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज में इस वर्ष सीटें बढ़ने की उम्मीद

नारनौल। क्षेत्र के नागरिकों की मांग पर स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बाबा खेतानाथ राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज में 41 शिक्षक लगाए हैं। अब यहां नए शैक्षणिक सत्र में अधिक सीटों पर एडमिशन होने की उम्मीद है। यह हरियाणा का एकमात्र आयुर्वेदिक कॉलेज है। जिला महेंद्रगढ़ के लिए ये बड़ी सौगात है। पिछले दो साल से प्रोफेसर, रीडर और लेक्चरर की कमी से पूरी क्षमता से दाखिला नहीं हो पा रहे थे। नवनियुक्त आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारियों (एएमओ) में से योग्यता रखने वाले एएमओ को ये जिम्मेदारी दी गई है। अब विद्यार्थियों को और बेहतर तरीके से चिकित्सा शिक्षा हासिल होगी। कॉलेज के प्रिंसिपल श्रीनिवास गुज्जरवार ने बताया कि आयुर्वेदिक कॉलेज में उपलब्ध संकाय के आधार पर केवल 30 छात्रों को प्रवेश की अनुमति दी थी। इस संबंध में स्वास्थ्य मंत्री से यहां पर स्टाफ नियुक्त करने की मांग की गई थी। स्वास्थ्य मंत्री के प्रयासों से अब अगर केंद्रीय टीम से इजाजत मिलती है तो पूरी प्रवेश क्षमता को बहाल किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि अब कॉलेज में अधिक छात्रों को समायोजित करने के लिए पर्याप्त स्टाफ है।

रेशनलाइजेशन के बहाने एचकेआरएन अध्यापकों को हटाना गलत : महेश

नारनौल। डेमोक्रेटिक स्कूल टीचर्स एसोसिएशन के राज्य सचिव महेश यादव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि अभी तक विभाग द्वारा न तो पदोन्नतियां की गई हैं और न ही कोई रेशनेलाइजेशन की लिस्ट जारी की गई है, फिर भी स्कूलों से एचकेआरएन के तहत लगे अध्यापकों को हटाया जा रहा है जबकि अगर तथ्यों पर गौर किया जाए तो विभाग द्वारा अगर पदोन्नति समय रहते की जाएं तो जो पद खाली होंगे उन पर इन अध्यापकों की जरूरत रहेगी। अगर रेशनेलाइजेशन व्यवहारिक तरीके से की जाए तो पद समाप्त नहीं होंगे बल्कि बढ़ेंगे। अतः संगठन ने मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री, शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव, महानिदेशक सेकेंडरी शिक्षा व महानिदेशक मौलिक शिक्षा को पत्र भेज कर मांग की है कि इन अध्यापकों की जगह अगर कोई नियमित अध्यापक आता है तो भी इन अध्यापकों की एडजस्टमेंट के आदेश साथ ही साथ हों ताकि इन अध्यापकों का रोजगार सुरक्षित रह सके। अगर सरकार ऐसा नहीं करती तो यह स्कूल व स्कूली शिक्षा के साथ खिलवाड़ होगा व इन अध्यापकों के परिवार बुरी तरह प्रभावित होंगे और प्रदेश में बेरोजगारी को भी बढ़ावा मिलेगा।

क्षेत्र में घटित अलग-अलग दुर्घटनाओं में तीन लोगों की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

क्षेत्र में घटित अलग-अलग दुर्घटनाओं में तीन लोगों की अकाल ही मौत हो गई। तीनों शवों को नागरिक अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने पुलिस कार्रवाई उपरांत शवों के पोस्टमार्टम किए।

जानकारी के अनुसार नारनौल-कनीना रोड वाया सिहमा रोड पर गांव सुंदरह के समीप एक बाइक को कार ने टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार करीब 50 वर्षीय धर्मेंद्र कुमार पुत्र सिंहराम वासी गांव सुंदरह बुरी तरह से जख्मी हो गया।

सूचना मिलने पर परिजन घायल को नारनौल के एक निजी अस्पताल लेकर गए, जहां से प्राथमिक उपचार उपरांत उन्हें हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। परिजन जब उन्हें जयपुर ले जा रहे थे, तब अस्पताल पहुंचने से पहले ही बीच रास्ते में दम तोड़ दिया। जिस पर परिजन एंबुलेंस को वापस नारनौल ले आए।

पुलिस ने परिजनों के बयान पर कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज करने उपरांत शव का नागरिक अस्पताल से पोस्टमार्टम कराया तथा उसे परिजनों को सौंप दिया। मृतक अपने पीछे एक बेटा एवं एक बेटी छोड़ गया तथा वह दोनों ही अविवाहित हैं। उन्होंने गांव में प्ले स्कूल खोल रहा है तथा वह नेटवर्क से जुड़ी कंपनी में काम करने के साथ-साथ खेतीबाड़ी भी करते थे।

दूसरी घटना
अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, मौत

दूसरी घटना के मुताबिक करीब 25 वर्षीय युवक यशवीर पुत्र ओमवीर यादव वासी मंढ़ाणा अपनी बाइक से शाम को करीब सात बजे गांव सलूनी जा रहा था। जब वह एनएच 152-डी सिक्स लेन रोड पर भूषण कलां के नजदीक पहुंचा ही था कि उसकी अज्ञात वाहन से टक्कर हो गई। इस टक्कर में यशवीर को सिर में गहरी चोट लगी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वह इन दिनों घर पर ही रहकर नौकरी की तैयारी कर रहा था तथा निजी कंपनी ज्वाइन करने की कोशिश में लगा था। मृतक दो भाईयों में बड़ा था।

तीसरी घटना
संदिग्ध परिस्थितियों में तोड़ा दम

तीसरी घटना गांव मौखूता में घटित हुई, जहां नारनौल के मोहल्ला कैलाश नगर निवासी करीब 25 वर्षीय मोहित पुत्र होशियार सिंह ने संदिग्ध परिस्थितियों में दम तोड़ दिया। परिजनों ने बताया कि मोहित की करीब छह माह से दिमागी हालत ठीक नहीं थी और वह कभी ठीक तो कभी मानसिक बीमारी का शिकार रहने लगा था। अब दो दिन से वह गायब था। परिजनों ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट भी लिखवाई। परिजनों के मुताबिक वह पता नहीं कैसे मौखूता गांव पहुंच गया था। वहां पर ग्रामीणों ने उसे देखा है। जब वह गांव में जा रहा था, तब एक दुकान के समीप वह गिर पड़ा था। आसपास के लोगों ने उसकी मदद करते हुए उठाया तथा उसे पानी भी पिलाया, लेकिन उसकी मौत हो गई। इस पर पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने अनजान व्यक्ति होने पर उसकी फोटो वॉयरल की, जिस पर महावीर पुलिस चौकी से परिजनों के पास फोन गया तथा फोटो की पहचान करने का कहा। मृतक विवाहित था और उसके दो बेटे हैं। वह तीन भाईयों में सबसे छोटा था और वह पूर्व में नारनौल के बस स्टैंड पर फलों की रेहड़ी लगाता था।

सीसीटीवी फुटेज में लोहे की रॉड व लकड़ी की बल्ली से शटर उखाड़ते हुए नजर आए चोर

3 दुकानों में लगाई सेंधः 20 लाख की नकदी व 20 लाख का सामान चोरी

- चोरों ने तीन रात में शहर की तीन दुकानों को बनाया निशाना, एक मेडिकल स्टोर व दो कपड़ा शोरुम में चोरों ने लगाई बड़ी सेधमारी
- सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने फिंगरप्रिट एक्सपर्ट को बुलाकर साक्ष्य जुटाने का किया प्रयास

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

परशुराम चौक पर चोरों ने देर रात तीन दुकानों के शटर के ताले तोड़कर लाखों का सामान और नकदी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों एक मेडिकल स्टोर और दो कपड़े के शोरूम दुकान को निशाना बनाया। चोरों ने लगभग 20 लाख की नकदी, 20 लाख रुपये कीमत के सामान और 110 ग्राम सोना चोरी किया है। सुबह करीब पांच बजे उठने के बाद दुकानदारों की घटना की सूचना मिली। दुकानदारों ने डायल 112 पर पुलिस को घटना की सूचना दी।

चोरी की घटना सीसीटीवी फुटैज में कैद हो गई है। चोर लोहे की रॉड व लकड़ी की बल्ली से शटर उखाड़ते हुए नजर आ रहे हैं। सूचना के बाद पुलिस टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट को मौके पर बुलाकर साक्ष्य जुटाने के प्रयास शुरू कर दिए है। वहीं पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य सबूतों के आधार पर चोरों की पहचान की शुरू कर दी है।

महेंद्रगढ़। लकड़ी की बल्ली की सहायता से दुकान का शटर उखाड़ते चोर। फोटो : हरिभूमि

कपड़े के शोरूम में भी लगाई सेंध

शहर के मोहल्ला पड़ाव निवासी शिवरतन मेहता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने आजाद चौक पर कपड़े का शोरूम खोल रखा है। वह रात को अपने शोरूम को अच्छी तरह बंद करके गया था। सुबह उसे किसी ने सूचना दी कि उसकी दुकान का शटर टूटा हुआ है। जब वह मौके पर पहुंचा तब उसने देखा कि दुकान का शटर टूटा हुआ था। चोर दुकान की दराज में रखे करीब 15 हजार रुपये चोरी कर ले गए है। इसके अलावा अन्य सामान व कपडा आदि भी चोरी कर ले गए है। इसके अलावा आजाद चौक पर स्थित गांव माजरा कलां निवासी सुनील शर्मा की दुकान से 3500 रुपये की नकदी व कपड़े व अन्य सामान चोरी कर ले गए हैं।

बेटी की शादी के लिए रखी जेवरात और 15 लाख की नकदी चोरी

पुलिस को दी शिकायत में शहर के शंकर कॉलोनी निवासी सुनील कुमार ने बताया कि उसने शहर के आजाद चौक पर श्रीश्याम मेडिकोज के नाम से दवाईयों की दुकान खोल रखी है। शाम के समय वह अपनी दुकान बंद करके घर चला गया था। सुबह उसको दुकान में चोरी होने की सूचना मिली। उसने पड़ोसी दुकानदार के सीसीटीवी में देखा कि सुबह 4:27 बजे तीन व्यक्ति औजार के माध्यम से शटर तोड कर चोरी की वारदात को अंजाम दे रहे हैं। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसने दुकान को सुरक्षित मानते हुए अपनी बेटी की शादी की प्लानिंग करते हुए दुकान में रखा 110 ग्राम सोना रखा हुआ था। इसके अलावा करीब 3 लाख पचास हजार रुपये नगद, करीब 5 हजार के लगभग 10 व 20 रुपये की गड्डियां रखी हुई थी। सारा सामान करीब 15 लाख रु का था। चोर उसकी दुकान से सारा सामान चोरी कर ले गए।

सतनाली। उपतहसील में मांग का ज्ञापन सौंपते लोग। फोटो : हरिभूमि

भूमि के कलेक्टर रेट नहीं बढ़ाने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

सतनाली मंडी। राजपूत सभा महेंद्रगढ़ के पूर्व प्रधान सवाई सिंह राठौड़ के नेतृत्व में क्षेत्रवासियों ने भूमि के कलेक्टर रेट नहीं बढ़ाए जाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम उपतहसील सतनाली में ज्ञापन सौंपा। सौंपे गए ज्ञापन में बताया कि भूमि के कलेक्टर रेट में दिसंबर 2024 में 10 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी और अब फिर कलेक्टर रेट बढ़ाए जा रहे हैं। ज्ञापन में बताया कि यह रेतीला क्षेत्र है और जिले में भूजल स्तर पहले से ही कम है। भूमि के कलेक्टर रेट बढ़ने से जनता परेशान हो चुकी है। ज्ञापन में उन्होंने कलेक्टर रेट में बढ़ोतरी को तुरंत रोकने की मांग की। इस मौके पर सवाई सिंह राठौड़, हंसराज, नवल सिंह, सुरेंद्र, सतीश, राजसिंह, प्रताप सिंह, अजीत, मनोज, मुनेश, रणवीर, सुखवीर, नरेंद्र, फतेह सिंह आदि उपस्थित रहे।

स्पेशल: जू लवर्स-डे, 8 अप्रैल

रोचक / रजनी अरोड़ा

अट्रैक्टिव-डिफरेंट-फेमस
दुनिया के अमेजिंग जू

बच्चो, तुमने अपने शहर या किसी दूसरे शहर में स्थित जू यानी चिड़ियाघर को जरूर देखा होगा। वैसे तो दुनिया भर में लगभग दस हजार जू हैं। लेकिन उनमें से कुछ ऐसे हैं, जो अपनी विशेषता के कारण बहुत फेमस हैं। यहां हम तुम्हें कुछ ऐसे ही अनोखे चिड़ियाघरों के बारे में बता रहे हैं।

वियना चिड़ियाघर

इस चिड़ियाघर का निर्माण ऑस्ट्रिया की राजधानी वियना में 1752 ई. में किया गया था। 'टियरगार्टन शॉनब्रून' नाम से मशहूर यह चिड़ियाघर पवित्र रोमन सम्राट फ्रांसिस प्रथम ने स्थापित किया था। यह चिड़ियाघर वियना के प्रसिद्ध शॉनब्रून पैलेस के अंदर शाही परिवार के लिए एक निजी उद्यान के रूप में शुरू हुआ था। लगभग 17 हेक्टेयर क्षेत्रफल में बने इस चिड़ियाघर में 18वीं सदी की ऐतिहासिक इमारतें और आधुनिक सुविधाओं का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। यहां पांडा, पोलर बियर, शेर, बाघ, तेंदुआ जैसे अलग-अलग वातावरण में पाए जाने वाले जानवर देखने को मिलते हैं। दुनिया के सबसे पुराने इस चिड़ियाघर को यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थल में शामिल किया गया है। *

दार्जिलिंग चिड़ियाघर

अपने ही देश भारत में दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल) के बिर्च हिल इलाके में स्थित इस जू का निर्माण 1958 में किया गया था। 1975 में बंगाल की पूर्व गवर्नर और स्वाधीनता सेनानी सरोजिनी नायडू की पुत्री पद्मजा नायडू के नाम पर इस जू का नाम 'पद्मजा नायडू हिमालयन जूलॉजिकल पार्क' रखा गया। इसे 'दार्जिलिंग चिड़ियाघर' के नाम से भी जाना जाता है। यह 7,000 फीट की ऊंचाई पर 67.5 एकड़ क्षेत्रफल में बना है। इस चिड़ियाघर में मुख्य रूप से अल्पाइन क्षेत्र में रहने वाले हिमालयी पशुओं को संरक्षित किया गया है। यहां 200 से अधिक पशु प्रजातियों में स्नो लेपर्ड, तिब्बती वुल्फ, लाल पांडा, साइबेरियन टाइगर, हिमालयी न्यूट, ब्लू शीप, हिल मोनाल, रिंग नैकेंड पीसेंट, ब्लड पीसेंट, ट्रैगोपैन जैसे लुप्तप्राय पशु-पक्षी भी हैं। यह चिड़ियाघर लाल पांडा के संरक्षण के लिए विशेष रूप से जाना जाता है। *

बटरफ्लाई जू

वर्ष 1988 में बना फ्लोरिडा (अमेरिका) का बटरफ्लाई वर्ल्ड जू, दुनिया का सबसे बड़ा बटरफ्लाई चिड़ियाघर है। यहां करीब 5 हजार रंग-बिरंगी बटरफ्लाई हैं, जो पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। इसके साथ ही इस चिड़ियाघर में अमेरिका का सबसे बड़ा हमिंगबर्ड, लोरिकेट जैसी उष्णकटिबंधीय बर्ड्स का घर भी है। पर्यटक यहां इन बर्ड्स को खाना भी खिला सकते हैं। यहां के इंसेक्टेरियम में कई तरह के बग्स भी देखे जा सकते हैं। पॉपकॉर्न पार्क चिड़ियाघर 1977 में न्यू जर्सी (अमेरिका) में वन्य जीवों को संरक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से यह चिड़ियाघर बनाया गया था। इसमें प्रायः बड़ी उम्र के बीमार, घायल या बेसहारा जानवरों को ही रखा जाता है। इनमें कुत्ते, बिल्लियों जैसे घरेलू जानवर ही नहीं, शेर, बाघ, हाथी, ऊंट, लामा, इमू, लोमड़ी, बंदर, हिरण, कछुए जैसे जानवर और कई तरह के पक्षी भी हैं। *

चिड़ियाघर नहीं समुद्री गुफा

बच्चो, अमेरिका के ऑरिगन समुद्र तट पर स्थित केव्स ऑफ सी लॉयन, चिड़ियाघर नहीं, बल्कि एक समुद्री गुफा है। यह स्टेलर सी लॉयंस और अन्य समुद्री जंतुओं का प्राकृतिक आवास है। यह उत्तरी अमेरिका की सबसे बड़ी समुद्री गुफा है। माना जाता है कि बेसाल्ट रॉक से बनी इन केव्स (गुफाओं) का निर्माण 25 मिलियन साल पहले हुआ था। आधुनिक काल में इसकी खोज 1880 में कैप्टन विलियम कॉक्स ने की थी। इस स्थान को स्थनीय लोगों और पर्यटकों के लिए 1932 में खोला गया। सी लॉयंस केव्स तकरीबन 12 मंजिला इमारत जितनी ऊंची और फुटबॉल मैदान की लंबाई जितनी बड़ी है। स्टेलर सी लॉयंस के अलावा यहां कैलिफोर्निया के सी लॉयंस, टफटिड पफिंस, बाल्ड ईगल आदि कई तरह के जंतु भी पाए जाते हैं। सी लॉयंस केव्स को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में भी शामिल किया गया है। *

लोन पाइन कोआला सेंचुरी

यह ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड में 1927 में बना, दुनिया का पहला सबसे बड़ा और सबसे पुराना कोआला चिड़ियाघर है। 18 हेक्टेयर क्षेत्रफल में बने इस चिड़ियाघर में 130 से अधिक कोआला हैं। यह चिड़ियाघर क्लार्कसन परिवार द्वारा लगाए गए पाइन के दो पेड़ों और जैक एंड जिल नामक दो कोआला से शुरू हुआ था। आज यहां कंगारू, तस्मानिया डेविल, पैरेट्स, काकातुआ, इमु, कैसोवरी, लौरिकेट, प्लेटीपस और कई तरह के सरीसृप भी पाए जाते हैं। इस चिड़ियाघर की खासियत है कि यहां आने वाले पर्यटक चाहें तो इन जानवरों को खाना भी खिला सकते हैं। *

जानकारी / विनय कुमार पाठक

बच्चो, हर साल 6 अप्रैल को इंटरनेशनल डे ऑफ स्पोर्ट फॉर डेवलपमेंट एंड पीस डे मनाया जाता है। जानो, यह क्यों मनाया जाता है, इस वर्ष इसकी थीम क्या है?

विकास-शांति-स्वास्थ्य के लिए
हम भी खेलें-तुम भी खेलो

बच्चो, यह तो तुम्हें पता ही होगा कि वर्ष में कई तिथियों को विशेष दिवस के रूप में मनाते हैं। जैसे 26 जनवरी को हम सब गणतंत्र दिवस मनाते हैं। 14 नवंबर को तुम बाल दिवस मनाते हो। अभी बीते 1 अप्रैल को तुमने फूल डे भी मनाया होगा। अच्छा क्या तुमको पता है कि हर वर्ष 6 अप्रैल को किस रूप में मनाया जाता है? नहीं पता? चलो हम तुम्हें बताते हैं। 6 अप्रैल को 'इंटरनेशनल डे ऑफ स्पोर्ट फॉर डेवलपमेंट एंड पीस' के रूप में मनाया जाता है। अर्थात विकास और शांति के लिए अंतरराष्ट्रीय खेल दिवस। तुम्हें पता होगा कि अपने देश में हर वर्ष 29 अगस्त को महान हॉकी खिलाड़ी ध्यानचंद की जयंती को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाते हैं। लेकिन अंतरराष्ट्रीय खेल दिवस मनाने का उद्देश्य पूरी दुनिया के लोगों को खेलों का महत्व बताना है।

इस वर्ष की थीम: हमारे लिए विकास का बहुत महत्व है। विकास का मतलब है, पहले से बेहतर होना। शांति का भी उतना ही महत्व है। तो इन दोनों को ध्यान में रखकर ही 'विकास और शांति के लिए अंतरराष्ट्रीय खेल दिवस' को मनाया जाता है। इस वर्ष इस दिन की थीम 'लेवलिंग द प्लेइंग फील्ड: स्पोर्ट फॉर सोशल इनक्लुजन' निर्धारित की गई है। इसका अर्थ है- सामाजिक समावेशन के लिए खेलकूद के समान अवसर बनाना। समावेशन का अर्थ होता है, हमारे समाज के सभी लोगों को शामिल करना। जैसे अलग-अलग रंग के, अलग-अलग आकार के, अलग-अलग सुगंध के फूल मिलकर बगिया को खूबसूरत बनाते हैं, वैसे ही सभी तरह के लोगों को जब एक साथ शामिल किया जाएगा, तभी हमारा समाज सुंदर बनेगा। इसके लिए खेलकूद से बेहतर साधन क्या हो सकता है!

आयोजक है ओलंपिक समिति: तरह-तरह के खेल खेलने में तो तुम्हें बहुत मजा आता होगा, है न! स्कूल में भी गेम्स पीरियड का तुम बेसब्री से इंतजार करते हो। छुट्टियों में तो अपने दोस्तों के साथ जमकर खेल का आनंद लेते ही हो। केवल बच्चे ही नहीं बड़ी उम्र के लोग भी विभिन्न खेलों का खूब आनंद लेते हैं। तुम्हें पता है, दुनिया में खेलकूद का सबसे बड़ा आयोजन ओलंपिक होता है। इसका आयोजन करने वाली समिति अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति है। हर देश में भी एक ओलंपिक समिति होती है, जो उस देश में खेलकूद को बढ़ावा देने का काम करती है।

खेलों की महत्ता: खेलकूद का समाज पर बहुत अच्छा प्रभाव पड़ता है। इसमें भेदभाव मिटाकर सभी को बराबर मौका मिलता है। खेलकूद के आयोजन में सभी क्षेत्र के, सभी वर्ग के, सभी धर्म के, सभी रंग के खिलाड़ी भाग लेते हैं। लोग आपसी मतभेद भुलाकर मिल-जुल कर खेलते हैं, इससे शांति का माहौल बनता है। जब माहौल शांति का होता है तो समाज और देश का विकास होता है। यही नहीं, खेलकूद से शारीरिक क्षमता बेहतर होती है। साथ ही हमारा मन भी स्वस्थ रहता है। तो तुम भी खेलकूद में जमकर हिस्सा लो और अपने शरीर के साथ-साथ मन को भी स्वस्थ बनाओ। *

कविता / नरेंद्र सिंह 'नीहार'

बच्चों की आजादी

सजे-धजे स्कूल सभी हों,
खुशी-खुशी सब आएं।
टीचर जी से खुलकर बोलें,
मन की बात बताएं।
खेल-खेल में करें पढ़ाई,
करके सब कुछ सीखें।
विद्यालय की हरित वाटिका,
मिल-जुलकर हम सींचें।
डांट-डपट से दूर रहें हम,
बनें न कभी फसादी।
बात-बात पर शाबाशी हो,
कदम-कदम आजादी।

तुम्हारे लिए नई किताब / चंद्रप्रकाश

कौवे की मजेदार शादी

शादी-ब्याह का समारोह हो या कोई दावत, तुम उसमें खूब सज-धज कर जाते होगे, है न! इस रंगीन चित्रों वाली किताब 'कालू कौवे की शादी' में ऐसा ही एक किस्सा है, जिसमें एक कौवा अपनी शादी की खुशी में खूब सजा-धजा दिखना चाहता है। इसके लिए वह निकल पड़ता है, अपने दोस्तों से उनकी मदद मांगने। मोर से वह रंग-बिरंगे पंख उधार लेता है, मिट्ठू तोते से उसकी सुंदर लाल चोंच। उल्लू से आंखें और शुतुरमुर्ग से लंबे-लंबे पैर। अब यह सब पहनकर वह अनोखा बन जाता है। फिर निकल पड़ता है, अपनी बारात लेकर कौवी से शादी रचाने। लेकिन बाहर के मौसम और धूप से इस अनोखी बारात में सब उलट-पुलट हो जाता है। यह सब कैसे होता है और फिर अंत में क्या होता है, यह जानने के लिए तुमको यह किताब पढ़नी होगी। *

किताब: कालू कौवे की शादी, **लेखिका:** डॉ. कमलेश कुमारी, **मूल्य:** 150 रुपए, **प्रकाशक:** अद्विक पब्लिकेशन, **दिल्ली**

गुजराती कहानी

पुष्पा अंताणी

घूमने की शौकीन चिल्ली बिल्ली एक दिन जंगल पहुंच गई। उस समय जंगल का राजा बाघ सैर पर था। उसके भेड़िए सैनिकों ने बिल्ली को धर दबोचा। वह बाघ राजा के सामने लाई गई। चिल्ली बिल्ली ने बहुत सूझ-बूझ से काम लिया। बाघ राजा के सामने उसने कुछ इस तरह बातें बनाईं कि वह चिल्ली बिल्ली को अपनी मौसी मान बैठा।

बाघ की मौसी चिल्ली बिल्ली

एक थी बिल्ली। नाम था चिल्ली। चिल्ली घूमने की बहुत शौकीन थी। दिन शुरू होते ही वह घूमने निकल पड़ती। पूरा दिन बस घूमना-फिरना। एक बार चिल्ली घूमते-घूमते जंगल में पहुंच गई। वहां उसे कुछ जानवर मिले। जंगल के रास्ते के बीचों-बीच चिल्ली को चलते हुए देख एक जानवर ने पूछा, 'कौन है तू? बीच रास्ते में क्यों चल रही है? इस जंगल का राजा बाघ सैर करने निकला है। वह तुझे बीच रास्ते में टहलते देखेगा तो गुस्साएगा।'

बिल्ली ने अपना सीना फुलाकर कहा,'मैं हूं बिल्ली, नाम मेरा चिल्ली। मैं तुम्हारे राजा बाघ से डरती-वरती नहीं।' यह कह बिल्ली आगे बढ़ गई। थोड़ा आगे गई तो दो सैनिक भेड़िए मिले। बिल्ली को बीच रास्ते में चलती देख दोनों चिल्लाए, 'ओय तू है कौन? राजा जंगल में सैर करने निकले हैं और तू उनके रास्ते के बीच इस तरह घूम रही है? राजा देख लेगा तो तेरी खाल उधेड़ देगा।'

बिल्ली ने अपना सिर उठाया और रुआब से बोली, 'मैं हूं बिल्ली, नाम मेरा चिल्ली। बाघ राजा होगा तुम्हारा। मैं उससे डरती-वरती नहीं हूं।'

इतने में जंगल का राजा बाघ वहां आ पहुंचा। सैनिक घबरा गए। उनको कुछ समझ में नहीं आया कि क्या करें? जंगल में सैर करने में बाधा आने से बाघ गुस्साया। जोर से गुर्राते हुए बोला, 'कौन है यह?'

बाघ को देखकर और उसकी दहाड़ सुनकर बिल्ली के होश उड़ गए, लेकिन उसने तुरंत ही अपने आपको संभाल लिया और एक तरकीब सोच ली।

सैनिकों ने झुक-झुक कर राजा को सलामी दी और बताया, 'हुजूर, यह कहती है- मैं तुम्हारे राजा से डरती-वरती नहीं हूं।'

बाघ ने लाल-लाल आंखों से बिल्ली की ओर देखा और सैनिकों को हुकुम दिया, 'इसे दरबार में ले आओ। मैं जंगल का दौरा पूरा कर वापस आता हूं, इसके बाद इससे निपटता हूं।'

सैनिकों ने बिल्ली को गिरफ्तार किया और राजा के दरबार में ले गए। थोड़ी देर बाद बाघ दरबार में आया। बिल्ली को बाघ के सामने लाया गया। बाघ ने दहाड़ कर पूछा, 'ओय बिल्ली, क्या तू मुझसे डरती नहीं?'

बिल्ली लापरवाही से अपने शरीर को पंजों से खुजलाते हुए बोली, 'नहीं, मैं तुमसे डरती नहीं हूं।'

बाघ और ज्यादा क्रोधित होकर बोला, 'तुझे पता है, मैं इस जंगल का राजा हूं?'

'होगा! इससे मुझे क्या? न तो मैं इस जंगल में रहती हूं और न ही तुम मेरे राजा हो। मैं तो तुम्हारे परिवार की सदस्य हूं। फिर मुझे तुमसे क्यों डरना चाहिए?' बिल्ली तिरछी नजर से बाघ की तरफ देखते हुए बोली।

'मेरे परिवार से मतलब..? बाघ को बात कुछ समझ में नहीं आई।

बिल्ली अपना मुंह फुलाकर बोली, 'बाघ राजा, क्या तुमको इतना भी पता नहीं? तुम्हारी मां और मैं दोनों बहने हैं।' बाघ चौंका। उसने बिल्ली को ध्यान से देखा और बोला, 'अरे जा! तू झूठ बोल रही है। कहां मेरी ताकतवर मां और कहां इतने छोटे कद वाली तू! तू तो मेरे बच्चे से भी छोटी है!'

'तुम्हारी बात सही है, बाघ जी! फिर भी हम दो बहनें हैं। तुम्हारी मां का शरीर ताकतवर, भयानक और बड़ा है और मैं इतनी छोटी हूं। इसके पीछे एक लंबी कहानी है।' बिल्ली बाघ से बोली।

बाघ को बिल्ली की बातों में दिलचस्पी होने लगी। उसने पूछा, 'कौन सी कहानी..?'

बिल्ली ने कहानी बताई, 'मैं और तुम्हारी मां सगी बहनें हैं। तुम्हारी मां बड़ी और मैं छोटी। तुम्हारी मां जब बड़ी हो गई तो वह जंगल में चली आई। अच्छी-सी गुफा बनाई और उसमें रहने लगी। फिर वह जंगल के जानवरों का शिकार करके उनका मांस खाने लगी। उसका शरीर बढ़ता गया। इसलिए वह मोटी और ताकतवर बन गई।'

बाघ उसकी बात ध्यान से सुन रहा है या नहीं, यह देखने के लिए बिल्ली बोलते हुए थोड़ी देर रुक गई।

बाघ ने उत्सुकता से पूछा, 'फिर क्या हुआ?'

'हां... बताती हूं। तब मैं बहुत छोटी थी। एक बार मैं अकेली गुफा के बाहर खेल रही थी। खेलते-खेलते मैं काफी दूर निकल गई। फिर गुफा में वापस जाने का रास्ता भूल गई। एक गांव में पहुंच गई। वहां जंगल का कोई भी जानवर नहीं दिखा तो मैं रोने लगी। इतने में राजू नाम का एक लड़का आया। उसने मेरे आंसू पोंछे, मेरा सिर सहलाया और अपने घर ले गया। उसने मुझे अपने घर में ही रखा। वह जो खाता था वही दूध और रोटी मुझे खिलाता। ऐसे खाने से मेरा शरीर छोटा ही रह गया और मैं इतनी छोटी ही रही। अब तो मेरी बात तेरी समझ में आई कि नहीं आई?' बिल्ली ने अपनी बात पूरी की।

राजा बाघ और बाकी जानवरों को बिल्ली की बात सच्ची लगी। बाघ खुश हो गया। वह अपने सिंहासन से खड़ा हुआ, बिल्ली के पास गया और उसे प्रणाम किया। फिर बोला, 'मेरी मां तो अब इस दुनिया में नहीं है, पर तुम मेरी मौसी हो। अब तुम यहां इस जंगल में आराम से रह सकती हो।'

बिल्ली बोली, 'ना, बाबा, ना! मेरा दोस्त राजू मेरे बिना नहीं रह सकता। इस वक्त भी वह मुझे ढूंढता हुआ रोता होगा। मैं अब अपने गांव वापस जाऊंगी।'

बाघ ने अपनी मौसी बिल्ली पर प्यार से अपना पंजा फेरा और बोला, 'चिल्ली मौसी, जैसी तुम्हारी मर्जी। अब जब भी तुम्हारा मन करे, जंगल में घूमने आ जाना।'

चिल्ली बिल्ली ने अपने गांव की ओर कदम बढ़ा दिए। बाघ राजा और जंगल के सारे प्राणी भी बिल्ली मौसी को विदाई देते हुए बोले, 'जल्द ही फिर मिलेंगे चिल्ली मौसी!'

जंगल से वापस अपने गांव की ओर लौटते हुए चिल्ली बिल्ली मन ही मन में मुस्कुराती हुई पूरे रास्ते बोलती रही, 'मैं तो बाघ की मौसी... मैं तो बाघ की मौसी...!' *

हिंदी अनुवाद : सेतु अंताणी

जीके क्विज-148

1. हाल ही में छत्तीसगढ़ के किस साहित्यकार को 59वां ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा की गई है?
2. विग्नेश पुथुर का संबंध किस खेल से है?
3. हरियाणा के वर्तमान मुख्यमंत्री कौन हैं?
4. विश्व का सबसे प्रदूषित देश कौन-सा है?
5. किस सिख गुरु ने अमृतसर शहर की स्थापना की थी?
6. भारत का सबसे बड़ा स्पोर्ट्स स्टेडियम कौन-सा है?
7. एलपीजी सिलिंडर में मुख्य रूप से कौन-सी गैस भरी होती है?
8. विश्व का सबसे बड़ा मरुस्थल कौन-सा है?
9. विटामिन E का रासायनिक नाम क्या है?
10. विश्व धरोहर दिवस कब मनाते हैं?

बच्चों, जीके क्विज-148 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-147 का उत्तर : 1. 286 दिन, 2. 58 करोड़, 3. भिवंडी, 4. 7 अप्रैल, 5. हैदराबाद, 6. विल्हेम कोनराड रॉन्टजेन, 7. आयरन (लौह तत्व), 8. माइटोकॉन्ड्रिया, 9. कर्नाटक, 10. क्षिप्रा

जीके क्विज-147 का सही उत्तर देने वाले : शिवम-रायपुर, किशन-बिलासपुर, कबीर-हिसार, नीटू-सीतापुर, बालमुकुंद-कुनकुरी, तृप्ति-ईमेल से, ट्विंकल-ईमेल से, प्रतीक-बलौदा बाजार, दिव्या-रोहतक, सचिन-महासमुंद

रंग भरो-172

रंग भरो-172 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

आस्तिका, चांपा

सार्थक, रायपुर

तमन्ना, कोरबा

वेदका, बालोद

रितेश, मटियारी

अथर्व, बिलासपुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

पलक-अटेली मंडी, रानी-बालाघाट, डॉली-मटियारी, नीरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, चंपक-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, रोहन-करनाल, अमन-बिलासपुर, जागृति-कोरबा

रंग भरो 173

बच्चो, यहां तितली और फूलों का एक सुंदर-सा ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। तुम इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।

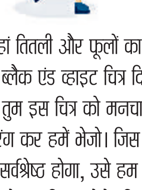

खबर संक्षेप

गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक के छात्रों ने किया इंडस्ट्रियल टूर

नारनौल। बाबा खेतानाथ गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक के मैकेनिकल इलेक्ट्रिकल और सिविल के छात्र तथा छात्राओं के लिए एक इंडस्ट्रियल टूर का आयोजन किया, जिसमें छात्रों को विभिन्न उद्योगों का दौरा करने का अवसर मिला। यह टूर छात्रों के शैक्षिक अनुभव को और भी समृद्ध करने और उन्हें उद्योग के वास्तविक कार्यकुशल माहौल से परिचित कराने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

इस दौरे में छात्रों ने विभिन्न प्रकार के उद्योगों का दौरा किया, जहां उन्होंने आधुनिक तकनीकी उपकरणों और प्रक्रियाओं को देखा। छात्रों को उत्पादन प्रक्रिया, गुणवत्ता नियंत्रण, मशीनों की कार्यप्रणाली और अन्य महत्वपूर्ण उद्योग संबंधी कार्यों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई।

75 प्रतिशत अनुदान पर ग्रीष्म कालीन मूंग

मंडी अटेली। हरियाणा सरकार द्वारा फसल विविधिकरण के अंतर्गत ग्रीष्मकालीन मूंग को बढ़ावा देने के लिए योजना की शुरुआत की गई है। प्रदेश में 2025-26 के दौरान एक लाख एकड़ में दलहनी मूंग की फसल को बढ़ावा दिया जाएगा। उपमंडल कृषि अधिकारी डॉ. मनमीत यादव ने बताया इस योजना के अंतर्गत मृदा स्वास्थ्य सुधारने व किसानों को तीसरी फसल द्वारा अतिरिक्त मुनाफा देने के लिए इस योजना की शुरुआत की गई है। इसमें महेंद्रगढ़ जिले को अभी 2000 एकड़ में और 200 क्विंटल मूंग का बीज का लक्ष्य आवंटित किया गया है।

राज्यस्तरीय विज्ञान निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित

श्रीकृष्ण सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छात्रा रितु ने मारी बाजी

सम्मान समारोह में जिला विज्ञान विशेषज्ञ रविन्द्र कुमार व जिला गणित विशेषज्ञ एमआर यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। छात्रा रितु को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

राज्य विज्ञान नवाचार एवं प्रौद्योगिकि परिषद द्वारा जीजीएसएसएस जींद में आयोजित राज्य स्तरीय विज्ञान निबंध लेखन प्रतियोगिता में श्रीकृष्ण सीनियर सेकेंडरी स्कूल भुंगारका की छात्रा रितु दौंगली ने हरियाणा में दूसरा स्थान पर रही है। इस उपलब्धि पर हरियाणा राज्य विज्ञान नवाचार एवं प्रौद्योगिकी परिसर पंचकूला द्वारा आठ हजार रुपये की राशि दी जाएगी।

प्राचार्य वेदपाल यादव ने बताया कि लगातार तीसरे वर्ष इस प्रतियोगिता में श्रीकृष्ण स्कूल की छात्रा ने परचम लहराया है। ज्ञातव्य है कि छात्रा रितु व छात्रा पलक ने टॉप 10 में स्थान हासिल कर जिले का प्रतिनिधित्व किया था। श्रीकृष्ण स्कूल भुंगारका की छात्रा रितु की इस उपलब्धि पर एमआर यादव, जिला गणित विशेषज्ञ (डीएमएस) व रविन्द्र कुमार जिला विज्ञान विशेषज्ञ (डीएसएस) ने रितु को स्कूल की तरफ से प्रशस्ति पत्र व नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। प्राचार्य वेदपाल यादव ने बताया कि इस तरह की प्रतियोगिता से विद्यार्थी की वैज्ञानिक सोच का विकास होता है। यह प्रतियोगिता विज्ञान और नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ी महत्वपूर्ण है। इस सम्मान समारोह में रितु के माता-पिता जगजीत व सुमन उपस्थित रहे। इसी समारोह में नवोदय विद्यालय में चयनित अंकिता पुत्री नरेन्द्र सिंह गांव नांगल पीपा को भी सम्मानित किया। स्कूल के चेयरमैन एडवोकेट राजपाल यादव ने रितु को पढ़ाने वाले अध्यापकों को बधाई दी तथा रितु के माता पिता को स्कूल बुलाकर सम्मानित किया एवं बधाई दी।

छात्रा रितु ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता व स्कूल के मार्ग दर्शन को दिया। स्कूल प्रांगण में रितु के सम्मान में छात्र-छात्राओं द्वारा मन मोहक नृत्य प्रस्तुत किया तथा नांगल चौधरी क्षेत्र में बड़ा रोड शो किया। रितु के सम्मान में किये गये रोड शो में स्कूल के सीईओ अविनाश यादव, अध्यापक अत्तर सिंह, मनीष कुमार समेत समस्त स्टाफ शामिल हुए। एडवोकेट चेयरमैन राजपाल यादव ने रोड शो के दौरान मिले क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों के सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया।

बीआर ज्ञानदीप विद्यालय में अंग्रेजी लेखन प्रतियोगिता आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता में भाग लेते स्कूल के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

गांव सुरजनवास स्थित बीआर ज्ञानदीप विद्यालय में कक्षा पहली से आठवीं तक के छात्रों के लिए अंग्रेजी लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों में अंग्रेजी भाषा के प्रति रुचि बढ़ाना, रचनात्मक लेखन को प्रोत्साहित करना और उनके विचारों की अभिव्यक्ति को सशक्त बनाना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य रामवीर यादव ने की, जबकि विद्यालय के चेयरमैन रूपराम यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में छात्रों ने निबंध लेखन, कहानी लेखन, पत्र लेखन और कविता लेखन जैसी विभिन्न श्रेणियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। छात्रों ने मेरा सपना भारत, पर्यावरण बचाओ, भविष्य बचाओ विषयों पर लेख लिखे। छात्रों की रचनात्मकता और लेखन कौशल को देखकर सभी शिक्षक और निर्णायक मंडल प्रभावित हुए। प्राचार्य रामवीर यादव ने कहा कि भाषा संचार का एक महत्वपूर्ण माध्यम है और अंग्रेजी लेखन में दक्षता आज के युग में बेहद आवश्यक है। चेयरमैन रूपराम यादव ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ शिक्षा के नए आयाम खोलती हैं।

सूरज डिग्री कॉलेज की छात्रा तमन्ना ने 9.75 एसजीपीए लेकर किया कॉलेज में टॉप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

छात्रा तमन्ना

साक्षी

पायल

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर द्वारा बीए प्रथम सेमेस्टर का परिणाम घोषित किया गया, जिसमें सूरज कॉलेज के विद्यार्थियों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। कालेज की बीए प्रथम सेमेस्टर की छात्रा तमन्ना ने 9.75 एसजीपीए हासिल कर पूरे कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में पायल ने 9.50 एसजीपीए के साथ कॉलेज में दूसरा एवं साक्षी ने 9.46 एसजीपीए के साथ कॉलेज में तीसरा स्थान प्राप्त किया। छात्रा आंचल ने 9.42, मीनाक्षी ने 9.38, नेहा यादव ने 9.33, निधि कुमारी ने 9.25, कोमल ने 9.21, प्रीति ने 9.17, सोनिका ने 9.17, अंशु यादव ने 9.13, कोमल ने 8.96, सफलता ने 8.88, पलक ने 8.83, पायल यादव ने 8.71, सानिया ने 8.58, नम्रता ने 8.50, अंशु ने 8.46, ज्योति ने 8.42, भावना ने 8.38, पायल ने 8.25, रजनीश ने 8.21, रितु ने 8.13, खुशबू ने 8.08, विरेन्द्र सिंह ने 8.08, निशा ने 8.04, उपेक्षा ने 8.00, खुशबू ने 8.00, यमन कुमार ने 7.63 एसजीपीए प्राप्त किए। कॉलेज प्राचार्य डा. सुधाकर गुप्ता ने बताया कि कॉलेज का श्रेष्ठ परिणाम विद्यार्थियों के कठोर परिश्रम व शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने बताया कि कॉलेज के विद्यार्थी किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है। कॉलेज के निदेशक संदीप प्रसाद ने भी परिणाम पर खुशी जाहिर करते हुए विद्यार्थियों, अभिभावकों व शिक्षकों को बधाई दी।

धार्मिक विचारों के धनी थे राधेश्याम आसोदिया: कंवर सिंह यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित विधायक एवं अन्य। फोटो : हरिभूमि

शहर के पुराना खादी भंडार के समीप स्थित हल्का सैन समाज प्रधान सुन्दर लाल आसोदिया जी के बड़े भाई राधेश्याम आसोदिया का रविवार सुबह स्वर्गवास हो गया था। दिनभर श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों का तांता लगा रहा। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में विधायक कंवर सिंह यादव, नगरपालिका प्रधान रमेश सैनी, शहरी प्रधान रतन लाल सोनी, नेशनल माडल स्कूल चेयरमैन प्रमोद शास्त्री, सुभाष डागर, कपिल स्कूल चेयरमैन महेंद्र तिवाड़ी, जगदीश शर्मा, बच्चन सिंह यादव, धौलपोश गौशाला के प्रधान रवि तिवाड़ी, परमानंद सेठ, नरेश चेयरमैन, कैलाश शर्मा पाली, रामजी मित्तल, मुकेश लावनिया, राजू कौशिक, ब्लॉक समिति वाईस चेयरमैन रणधीर सिंह, हरियाणा कांग्रेस पार्टी महासचिव सतबीर सिंह झूकिया, धर्मवीर सिंह यादव सहित विभिन्न बुद्धिजीवियों ने पहुंचकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि वह धार्मिक विचारों के धनी थे, जिन्होंने समाज को एकता के सूत्र में बांधे रखा। वन विभाग में कार्य करते हुए उन्होंने विभाग में भी अपनी अमिट छाप छोड़ी। ऐसे व्यक्तित्त्व से हमे सदैव प्रेरणा लेनी चाहिए। उनका निधन समाज के लिए अपूरणीय क्षति है जिसको कभी पूरा नहीं किया जा सकता।

मॉर्डन स्कूल में पौधरोपण व हवन कर किया नए सत्र का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। हवन यज्ञ में भाग लेते स्कूल विद्यार्थी एवं शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रांगण में को हवन-यज्ञ व पौधारोपण कर नए सत्र का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर यज्ञ पुरोहित वेदप्रकाश शास्त्री ने पूरे वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवन-यज्ञ सम्पन करवाया। जानकारी देते हुए स्कूल कोर्डिनेटर भूपेंद्र सैनी ने बताया कि सर्वप्रथम प्रातकालिन सभा का आयोजन कर हवन-यज्ञ का आयोजन किया। इस मौके पर विद्यालय के डायरेक्टर हुक्म सिंह तंवर मुख्यअतिथि व डॉ. सुरेंद्र सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। नए शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ पर हवन पूजन में सभी विद्यार्थियों शिक्षकों विद्यार्थियों ने आहुतियां दी और विद्या की देवी सरस्वती का वंदन किया। हवन का आरंभ विघ्नहर्ता श्री गणेश के पूजन से हुआ। इसके बाद सरस्वती पूजन किया गया, जिसमें कामना की गई कि मां शारदा सबको सद्बुद्धि, विभिन्न कलाएं एवं मेघा दें। स्कूल प्राचार्य प्रदीप कुमार ने विद्यार्थियों की सफलता की कामना करते हुए उन्हें नए सत्र के लिए शुभकामनाएं दी। विद्यालय के चेयरमैन सतन सिंह ने विद्यार्थियों के साथ मिलकर स्कूल प्रांगण में पौधारोपण किया व विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए विद्यार्थियों, अभिभावकों व शिक्षकों को नए सत्र की बधाई दी।

राजनीतिक विज्ञान पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता संपन्न, विजेताओं को पुरस्कार वितरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए प्राचार्य।

शहीद मेजर सतीश दहिया कॉलेज में राजनीतिक विज्ञान पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता प्राचार्य डॉ अनिल यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रशंसा पत्र वितरित किए तथा राष्ट्र के विकास में सकारात्मक राजनीति की उपयोगिता से अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन डॉ सतीश यादव ने किया है।

उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान में राजनीतिक व्यवस्था का प्रावधान किया गया है, इसी व्यवस्था के अनुसार चुनावी प्रक्रिया पूरी कराई जाती है। लेकिन अधिकांश ग्रामीणों को संवैधानिक अधिकारों की जानकारी नहीं, जिस कारण मौलिक अधिकारों के शोषण की शिकायतों पर अंकुश नहीं लग पाया है। समाधान के लिए विद्यार्थियों को राजनीतिक अधिकारों की नॉलेज बढ़ानी होगी और मौहल्ले वाइज शत प्रतिशत वोट डालने का अभियान चलाना अनिवार्य है। इसके बाद राजनीतिक अधिकारों पर आधारित विद्यार्थियों की डिबेट स्पर्धा कराई गई है। राजनीतिक विज्ञान की स्पर्धा में देवेंद्र कुमार, साकेत कुमार की टीम विजेता रही है। हितेश कुमार व अंकित कुमार की टीम को दूसरा स्थान मिला है। रक्षा अध्यन स्पर्धा में पलक कुमारी को प्रथम, साकेत को द्वितीय तथा देवेंद्र कुमार को तृतीय स्थान मिला है।

प्रवेश उत्सव में फूल-मालाएं पहनाकर किया नवागंतुक विद्यार्थियों का स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। प्रवेश उत्सव में नए विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मुंडिया खेड़ा में नए शिक्षा सत्र 2025–26 पर प्रवेश उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण में हवन किया गया और नए विद्यार्थियों का फूल मालाएं पहनाकर स्वागत किया गया। स्कूल के कार्यकारी प्राचार्य राजपाल बड़कोदिया ने बताया कि गत 23 मार्च 2025 से अब तक विद्यालय का पूरा स्टॉफ नामांकन के लिए घर–घर जाकर के बच्चों व उनके अभिभावकों को हवन व प्रवेश उत्सव के लिए निमंत्रण दे रहे थे। परिणाम स्वरूप सरकारी स्कूलों में बढ़ती गुणवत्तापूर्वक पढ़ाई को देखते हुए बच्चे एवं उनके अभिभावक उपस्थिति रहे तथा अपने बच्चों का सरकारी स्कूल में दाखिला करवाया। पुराने विद्यार्थियों ने तिलक लगाकर और फूलमालाएं पहनाकर बच्चों का स्वागत किया गया। हवन कार्यक्रम में निशा प्रवक्ता अंग्रेजी व राकेश कुमार नाहर तथा वनिता संस्कृत प्रवक्ता व योगेश चौहान यजमान की भूमिका में रहे। मौके पर गणित प्रवक्ता सेढूराम, प्रवक्ता इतिहास बाबूलाल, प्रवक्ता राजनीतिक शास्त्र सुमित कुमार, डीपीई मुकेश कुमार, विनोद कुमार शास्त्री, सामाजिक अध्यापक कृष्ण कुमार, कंप्यूटर अध्यापक संजीव कुमार, मुख्याध्यापिका तृप्ता आदि मौजूद थे।

महेंद्रगढ़। कार्यशाला की विवरणिका का विमोचन करते विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार। फोटो : हरिभूमि

हकेंवि में दस दिवसीय शोध पद्धति पाठ्यक्रम 7 से

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा सामाजिक विज्ञान शोध पर केंद्रित दस दिवसीय शोध पद्धति पाठ्यक्रम का आयोजन 7 अप्रैल से किया जाएगा। यह कार्यक्रम भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित और प्रायोजित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने दस दिवसीय इस आयोजन की विवरणिका को विमोचन किया। कुलपति ने आयोजन टीम को शुभकामनाएं दी और शोध क्षमताओं को सशक्त बनाने में ऐसे कार्यक्रमों के महत्व पर जोर दिया। विवि में मानविकी और सामाजिक विज्ञान पीठ की अधिष्ठाता एवं पाठ्यक्रम की सहनिदेशक प्रो. पायल कंवर चंदेल ने कहा कि यह पाठ्यक्रम शोधकतार्ओं को सामाजिक विज्ञान में शोध को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक पद्धतिगत कौशल प्रदान करने में मददगार साबित होगा। मनोविज्ञान विभाग के सहायक आचार्य व पाठ्यक्रम के निदेशक डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया ने बताया कि इस कार्यशाला में हरियाणा और अन्य क्षेत्रों के 30 प्रतिभागियों को उन्नत शोध तकनीकों, डाटा विश्लेषण विधियों और अकादमिक लेखन कौशल से परिचित कराया जाएगा।

यदुवंशी स्कूल में विभिन्न गतिविधियां आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में भाग लेते स्कूल के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

यदुवंशी शिक्षा निकेतन महेंद्रगढ़ प्रांगण में टीम समूह गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इन गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य टीम वर्क को प्रोत्साहित करना और अपनी सहयोग की भावना को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम के दौरान कई रोचक और चुनौतीपूर्ण खेलों तथा गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों में प्रतिभागियों ने न केवल आनंद लिया, बल्कि उन्होंने सामूहिक कार्य करने के महत्व को भी समझा।

इन सभी गतिविधियों से प्रतिभागियों को सीखने और एक साथ मिलकर काम करने का नया अनुभव प्राप्त हुआ। विद्यालय के प्राचार्य पवन कुमार ने सभी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि एक सफल टीम वह होती है जहां हर सदस्य न केवल अपने लक्ष्य को समझता है, बल्कि दूसरों की सफलता में भी योगदान देता है। टीम वर्क का असली मतलब एक साथ मिलकर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ना है। ग्रुप के चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि जब हम किसी कार्य को अकेले करते हैं, तो उसमें कई चुनौतियां आती हैं, लेकिन जब हम एक टीम के रूप में कार्य करते हैं, तो समस्याएं आसान हो जाती है और सफलता की संभावना बढ़ जाती है। वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव, वाइस चेयरपर्सन संगीता यादव, ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव, फाउंडर डायरेक्टर राजेन्द्र सिंह ने सभी विद्यार्थियों की हौंसला अफजाई की।

बीआर स्कूल सेहलंग के छात्रों का अंतरराष्ट्रीय गणित ओलंपियाड में जोरदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। विजेताओं को सम्मानित करते चेयरमैन हरीश भारद्वाज व प्राचार्य। फोटो : हरिभूमि

गांव सेहलंग स्थित बीआर स्कूल में अंतरराष्ट्रीय गणित ओलंपियाड के पदक विजेता विद्यार्थियों के सम्मान में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। यह प्रतिष्ठित परीक्षा साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन गुरुग्राम द्वारा पूरी दुनिया में आयोजित की जाती है, जिसमें 100 से अधिक देशों के छात्र भाग लेते हैं।

समारोह का शुभारंभ विद्यालय की प्रार्थना सभा में किया गया, जिसमें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीआर ग्रुप के चेयरमैन हरीश भारद्वाज, उपाध्यक्ष कृष्ण भारद्वाज, विद्यालय के प्राचार्य डॉ. राम मोहन वशिष्ठ एवं उपप्राचार्या ज्योति भारद्वाज ने छात्रों को उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए पुरस्कृत करके किया। कक्षा तीसरी की छात्रा उपासना ने अंतरराष्ट्रीय रैंक-एक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। छात्रा को अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक एवं गोल्ड मेडल आफ एक्सीलेंस से सम्मानित किया गया। स्कूल की छात्रा परी और दीक्षित ने अंतरराष्ट्रीय रैंक तीन प्राप्त कर अंतरराष्ट्रीय कांस्य पदक व सान्वी ने रैंक पांच प्राप्त कर रजत पदक अपने नाम किया। इसके अतिरिक्त विद्यालय के 21 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल आफ एक्सीलेंस से सम्मानित किया गया। प्राचार्य डॉ. राम मोहन वशिष्ठ ने कहा कि कार्यों की गूंज शब्दों से अधिक होनी चाहिए और हमारे छात्र इस कहावत को साकार कर रहे हैं।

क्षय रोग के लक्षण, दवाइयां, सावधानियां और संतुलित आहार के बारे में बताया

गणेश कालोनी में टीबी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। महिलाओं को शपथ दिलाती टीबी कोआर्डिनेटर शोभा शर्मा। फोटो : हरिभूमि

उपायुक्त एवं जिला रेडक्रॉस समिति के प्रधान डा. विवेक भारती के मार्गदर्शन में जिला में चलाए जा रहे टीबी उन्मूलन जागरूकता कार्यक्रम के तहत आज गणेश कालोनी में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

टीबी कोआर्डिनेटर शोभा शर्मा ने लोगों को टीबी के बारे में जागरूक किया। उन्होंने क्षय रोग के लक्षण, दवाइयां, सावधानियां और संतुलित आहार के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आह्वान पर जिले और प्रदेश को टीबी मुक्त करने के लिए अभियान चलाया हुआ है। इस अभियान को हम तभी सफल बना सकते हैं जब हर व्यक्ति क्षय रोग को लेकर जागरूक हो और नियमित रूप से दवाओं का इस्तेमाल करें। कुछ लोग बीच में दवाईयां छोड़ देते हैं इससे बीमारी कम होने की बजाए बढ़ जाती है। ऐसी लापरवाही बिल्कुल न करें। इस मौके पर वालंटियर अजीत सिंह यादव ने रोगियों को दवाइयां नियमित रूप से लेते रहने और पोष्टिक आहार के बारे में जानकारी दी।

रेडक्रॉस कार्यालय में की प्रोटीन युक्त राशन किट वितरित

रेडक्रॉस से डॉ एसपी सिंह ने आज रेड क्रॉस कार्यालय में टीबी रोगियों को प्रोटीन युक्त राशन किट वितरित की। डॉ. एसपी सिंह ने कहा कि रेडक्रास जनहित में टीबी के प्रति लगातार जागरूकता अभियान चला रही है। मोहल्ला में जागरूकता कार्यक्रम के साथ ही प्रोटीन युक्त राशन किट भी बांटी जा रही हैं ताकि क्षय रोगियों को गुणवत्ता युक्त भोजन उपलब्ध करवाया जा सके।

खबर संक्षेप

मंडी अटेली। सिहमा नर्सरी में तैयार किए जा रहे पौधे।

सिहमा नर्सरी में तैयार किए जा रहे हैं 20 हजार पौधे

मंडी अटेली। पर्यावरण व हरियाली को बढ़ावा देने के लिए सिहमा नर्सरी विभिन्न किस्मों के 20 हजार पौधे तैयार किए जा रहे हैं। ये पौधे जुलाई माह निःशुल्क वितरित किए जाएंगे। सिहमा नर्सरी रामपुरा रोड पर पांच एकड़ में फैली हुई है। नर्सरी के इंचार्ज वैभव सिंह प्रताप सिंह ने बताया कि आगामी जुलाई माह में वर्षा के मौसम में पौधे वितरित करने के लिए 20 हजार विभिन्न किस्मों के पौधे में निशुल्क वितरित की जाएंगे। तैयार होने वाले पौधों में गुलमोहर सिरस, काला सीरस, गुलाब, गुड़हल, कीकर, पापड़ी, पीपल, नीम, शीशम, चांदनी विभिन्न किस्मों के छायादार, शोभादार, खुशबूदार, हवादार, फलदार सहित आदि तैयार आदि तैयार किये जा रहे हैं।

हकेंवि में छात्राओं को दिया प्रशिक्षण

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा राजकीय महिला महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम ग्रामोदय सहस्त्र विद्या दीप पहल के अंतर्गत भारत रत्न नानाजी देशमुख की 108वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने अपने संदेश में विद्यार्थियों को विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। शिक्षा को किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण से जोड़कर ही नवाचार का मार्ग प्रशस्त होगा।

बाबा रामसुख दास महाराज का मेला छह को

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव कांटी खेड़ी में बाबा रामसुख दास महाराज मेला छह अप्रैल रामनवमी को लगाया जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि बाबा रामसुख दास के मेला में विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगिताएं होंगी। मेले में बच्चों की 100 मीटर दौड़ से लेकर 1500 मीटर तक की दौड़ कार्रवाई जाएंगे। रस्साकसी में प्रथम इनाम 5100 रुपये एवं द्वितीय इनाम 3100 रुपये दिया जाएगा। कुश्ती 51 रुपये से लेकर 51 हजार तक होगी। मेले में बुजुर्गों की दौड़ विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। मेले में भंडारा बिमला देवी पत्नी स्वर्गीय देशराज सिंह चौहान द्वारा लगाया जाएगा।

19202 क्विंटल सरसों का हो चुका उठान

कनीना अनाज मंडी में 30766 क्विंटल सरसों की हुई खरीद

वीरवार को कम संख्या में किसान पहुंचे, 102 किसानों से 2327 सहित 30766 क्विंटल सरसों की खरीद हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

कनीना मंडी में 25 मार्च से सरसों की विधिवत रूप से खरीद शुरू हुई थी। 25 मार्च को 29 किसानों से 605 क्विंटल, 26 को 92 किसानों से 1815, 27 को 104 किसानों से 2068, 28 को 114 किसानों से 2106, 29 को 182 किसानों से 3495, 31 मार्च को 289 किसानों से 6358 व एक अप्रैल को 327 किसानों से 6852 क्विंटल, दो अप्रैल को 334 किसानों से 5609 क्विंटल, मौसम में परिवर्तन होने के चलते वीरवार को कम संख्या में किसान पहुंचे।

इस दिन 102 किसानों से 2327 सहित 30766 क्विंटल सरसों की खरीद की गई। खरीदी गई सरसों में से 19202 क्विंटल का उठान किया गया है। जिसे कनीना में ही गुप्ता गोदाम कनीना में रखा जा रहा है। मार्केट कमेटी सचिव विजय सिंह ने बताया कि सरसों खरीद एजेंसी स्टेट वेयर हाउस द्वारा की जा रही है। खरीद कार्य सुचारू रूप से चलाने के लिए उनकी ओर से लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। बेचते समय किसानों के सामने कोई परेशानी न आए इसके लिए तमाम प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने बताया कि सरसों की खरीद नैफेड के लिए एनसीसीएफ, नैशनल को-ऑपरेटिव कंज्यूमर फेडरेशन के माध्यम से स्टेट वेयर हाउस द्वारा की जा रही है।

किसानों की सुविधा के लिए मार्केट कमेटी की ओर से मंडी गेट पर दो धर्मकांटे संचालित किए गए हैं, जिनका निरीक्षण मापतौल विभाग द्वारा करने के बाद प्रमाण पत्र जारी किया गया है। इसके अलावा मंडी में साफ-सफाई, बिजली-पेयजल, टॉयलेट की व्यवस्था की गई है। सरसों खरीद होने के 72 घंटे के अंतराल में एजेंसी द्वारा किसानों के खाते में राशि डाली जा रही है।

तीसरे दिन भी मंडी में नहीं हुई गेहूं की आवक

हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार प्रदेश में एक अप्रैल से गेहूं की खरीद शुरू हो चुकी है लेकिन कनीना मंडी में आवक न होने के कारण गेहूं की खरीद शुरू नहीं हो सकी है। सचिव विजय सिंह ने बताया कि गेहूं की खरीद पुरानी आनाज मंडी में की जाएगी। जिसके लिए सभी बंदोबस्त किए गए हैं। पोर्टल पर पंजीकृत किसान द्वारा मंडी में फसल लेकर आने पर उन्हें कोई परेशानी नहीं आने दी जाएगी। किसान एक एकड पर 2425 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से 50 क्विंटल गेहूं बेच सकता है।

विधायक ने लिया सतनाली मंडी में सरसों खरीद का जायजा

महेंद्रगढ़। किसानों से खरीद प्रक्रिया की जानकारी लेते विधायक

महेंद्रगढ़। विधायक कंवर सिंह यादव ने सतनाली मंडी में पहुंच कर सरसों की सरकारी खरीद का जायजा लिया। विधायक कंवर सिंह यादव के साथ उपमंडल अधिकारी अनिल कुमार यादव भी साथ रहे। कंवर सिंह यादव ने अधिकारियों से कहा कि किसानों को फसल बेचने में कोई परेशानी नहीं आने दें। खरीद के साथ फसल की उठान लगातार जारी रहे। ताकि मंडी में अव्यवस्था न फैले। उन्होंने किसानों से कहा कि फसल सुखाकर लाएं। ताकि खरीद में कोई परेशानी न आए। उन्होंने मंडी में पेयजल, सफाई की पर्याप्त व्यवस्था करने की बात कही। विधायक ने कहा कि सुरक्षा की दृष्टि से भी आवश्यक कदम उठाए जाएं। फसल बेचने आए किसानों से बातचीत की। विधायक ने कहा कि किसान कड़ी मेहनत से फसल उगाते हैं। उनकी मेहनत से ही देश को अनाज मिलता है। विधायक ने केंद्र और हरियाणा सरकार को किसान हितेषी बताया। मंडी में सरसों और गेहूं की खरीद एमएसपी पर की जा रही है। विधायक ने दावा किया कि यह पहली सरकार है। जो किसानों की फसल का एक-एक दाना न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद रही है। इस अवसर पर उपमंडल अधिकारी अनिल कुमार यादव, भागीरथ शेखावत, दीवान सिंह शेखावत, मुन्ना सिंह, टिंकू सतनाली, कालू पहलवान, मुकेश पहलवान आदि मौजूद रहे।

विधायक व एसडीएम ने किया सतनाली अनाज मंडी का निरीक्षण

सतनाली। अनाज मंडी में ढेरी की जांच करते विधायक व एसडीएम।

किसानों की हितैषी है भाजपा सरकारः कंवर सिंह यादव

सतनाली मंडी। *विधायक कंवर सिंह यादव एवं एसडीएम अनिल कुमार यादव ने वीरवार को सतनाली अनाज मंडी में चल रहे खरीद कार्य का निरीक्षण किया। इस मौके पर विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों की हितैषी है। सरकार किसानों की फसल का एक-एक दाना न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद रही है। उन्होंने खरीद एजेंसियों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि मंडी में फसल बेचने आने वाले किसानों को कोई असुविधा नहीं होनी चाहिए। इस मौके पर एसडीएम अनिल कुमार यादव ने अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश दिए कि अनाजमंडी में किसानों को फसल बिक्री में किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि अगर कोई अधिकारी एवं कर्मचारी इस उद्देश्य की पूर्ति में कोताही बरतता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडी में बारदाना व साफ-सफाई की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। इस दौरान उन्होंने मंडी में सरसों की ढ़ेरी की क्वालिटि आदि की भी जांच की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध प्रशासन की प्राथमिकता है। इस मौके पर विभिन्न अधिकारियों सहित किसान, व्यापारी, गणमान्य लोग उपस्थित रहे।*

एसडीएम रमित यादव ने किया अनाज मंडी का निरीक्षण

नारनौल। *उपमंडल अधिकारी (एसडीएम) रमित यादव ने वीरवार अनाज मंडी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने किसानों के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही किसानों को समय पर पेमेंट के निर्देश दिए। एसडीएम ने रबी फसल के खरीद कार्य का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस निरीक्षण के दौरान उन्होंने अनाज मंडी में स्वच्छता और सुव्यवस्था का भी जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अनाज मंडी में उठान कार्य समय पर होना चाहिए ताकि खरीद कार्य में दिक्कत ना हो। इस मौके पर सचिव नुकुल यादव के अलावा अन्य अधिकारी मौजूद थे।*

48 से 72 घटों में किसानों के खाते में जारी हो रकम

अधिकारियों की बैठक लेते डीसी डॉ विवेक भारती।

नारनौल। *उपायुक्त डॉ विवेक भारती ने वीरवार लघु सचिवालय में रबी खरीद कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक ली। इस दौरान आढ़ती एसोसिएशन के सदस्य भी मौजूद थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडियों से निकासी गेट पास जारी होने के 48 से 72 घटों में किसानों के खाते में सीधा भुगतान करने की सरकार की प्रतिबद्धता को कायम रखा जाए। इस मौके पर डीएफएससी कुशलपाल बूरा ने बताया कि जिला महेंद्रगढ़ में अब तक 8072 एमटी सरसों की खरीद हुई है। उन्होंने कहा कि अब सरसों की अधिक आवक शुरू होने वाली है। ऐसे में उठान कार्य समय पर पूरा कर लें ताकि खरीद कार्यों में किसी प्रकार की परेशानी ना हो। इस मामले में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। इस मौके पर उपायुक्त ने आढती एसोसिएशन के सदस्यों की समस्याएं भी सुनी।*

अकाउंट में रुपये क्रेडिट होने का भेजता था फर्जी टैक्स्ट मैसेज, साइबर पुलिस ने दबोचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

फोन पर अकाउंट में रुपये क्रेडिट होने का फर्जी टैक्स्ट मैसेज भेजकर साइबर ठगी की कोशिश करने के मामले में कार्रवाई करते हुए साइबर थाना की पुलिस टीम ने मुख्य आरोपित को गिरफ्तार किया है, जिसकी पहचान शोएब अख्तर वासी सलम्बा नूह (मेवात) के रूप में हुई है। साइबर थाना की टीम ने आरोपित को थाना सदर नूंह क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। आरोपित फोन पर अकाउंट में रुपए क्रेडिट होने का फर्जी टैक्स्ट मैसेज भेजता था और साइबर ठगी की वारदातों को अंजाम देता था। आरोपित को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

नारनौल। पुलिस गिरफ्त में आरोपित।

दो हजार रुपये वापस ट्रांसफर करने के लिए कहा

सतनाली वासी शिकायतकर्ता गुलशन कुमार ने साइबर थाना में दी शिकायत में बताया है कि 27 मार्च को उसकी पत्नी के मोबाईल नम्बर पर दो टेक्स्ट मैसेज आए, जो बैंक अलर्ट मैसेज जैसे ही थे। जिसमे दिखाया गया था कि खाते में दो हजार रुपये जमा हो गए हैं और फिर उसे दो-तीन बार कॉल किया और कहा कि उसने गलती से दो हजार भेज दिए हैं। इसके बाद उससे दो हजार रुपये वापस ट्रांसफर करने के लिए कहा, लेकिन शिकायतकर्ता के खाते मे वास्तव में कोई लेन-देन नही हुआ और उसके द्वारा भेजा गया मैसेज एक फर्जी मैसेज था। मैसेज भेजने वाला अनजान व्यक्ति उसके साथ धोखाधड़ी करने की कोशिश कर रहा था। यह सोचकर की, वह आसानी से एक महिला को बेवकुफ बनाकर उसके साथ साईबर ठगी कर लेगा। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

केंद्र सरकार से जारी दो प्रतिशत महंगाई भत्ता कर्मचारियों से भद्दा मजाकः सैनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

बिजली निगम से जुड़ी एएचपीसीडब्ल्यू यूनियन की गेट मीटिंग नारनौल डिवीजन ऑफिस कार्यालय परिसर में सर्व कर्मचारी संघ के आह्वान पर आयोजित की गई, जिसमें केंद्र सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ आक्रोश प्रकट किया गया। कर्मचारी नेता किरोड़ीमल सैनी ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा दो प्रतिशत मंहगाई भत्ते की किस्त जारी की गई है, जो कर्मचारियों के साथ एक भद्दा मजाक है। इसके अतिरिक्त केंद्र सरकार ने 31 दिसंबर 2025 तक रिटायर होने वाले कर्मचारियों व सभी पेंशनर्स को आठवें वेतन आयोग का लाभ न देने का कानून पास कर दिया है। पुरानी पेंशन बहाली, कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने व प्रदेश का अलग से वेतन आयोग गठन करने, वेतन आयोग लागू होने तक प्रदेश के सभी कर्मचारियों को प्रतिमाह पांच हजार रुपये देने आदि की मांग को लेकर को लेकर प्रदर्शन किया गया।

नारनौल। रोष प्रकट करते बिजली निगम के कर्मचारी।

नारनौल। समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याएं सुनते डीसी डॉ विवेक भारती।

समाधान शिविर से लाइव जुड़े सीएम

नारनौल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी वीरवार जन समाधान शिविर में लाइव जुड़े। उन्होंने शिकायतकर्ताओं से सीधे संवाद भी किया। जिला महेंद्रगढ़ की तरफ से उपायुक्त डॉ विवेक भारती ने समाधान शिविरों में आने वाली शिकायतों के संबंध में रिपोर्ट दी। इसके बाद उपायुक्त ने अधिकारियों की बैठक ली तथा समाधान शिविरों में आने वाली शिकायतों के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर आम नागरिकों तथा प्रशासन के बीच एक सेतु का काम कर रहे हैं। अधिकारी इसी प्रकार गंभीरता के साथ प्रत्येक समस्या का निदान करें। इसके बाद उन्होंने सीएम विंडो के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए कि आम नागरिकों को अपनी शिकायतें रखने का सीएम विंडो एक बेहतरीन प्लेटफार्म है। यहां पर समस्याओं का समाधान करने के बाद एक्शन टेकन रिपोर्ट पूरी सावधानी के साथ भरें। इस मौके पर एसडीएम रमित यादव, नगराधीश मंजीत कुमार तथा डीएसपी हरदीप सिंह के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

शहीद भगत सिंह की प्रतिमा लगाने के लिए जिला उपायुक्त को सौपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

शहर में महेंद्रगढ़ रोड पर उपायुक्त निवास या महेंद्रगढ़ रोड से लघुसचिवालय मोड के तिराहे पर शहीद भगत सिंह की प्रतिमा लगवाने की मांग वीरवार सामाजिक संस्थाएं युवा साथी ग्रुप हरियाणा व उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा ने की। इन संस्थाओं से जुड़े सचिव टिंकू प्रधान एवं बिरेंद्र यादव की अगुवाई में वीरवार दोपहर 12 बजे उपायुक्त डॉ विवेक भारती को ज्ञापन दिया। इस अवसर पर मांग पत्र देते हुए कहा कि आज के समय में शहीद भगत सिंह युवाओं के प्रेरक है। शहीद भगत सिंह ने देश को आजादी दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी तथा केवल 24 वर्ष की उम्र में देश के लिए हँसते हंसते अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया था। संस्था के सचिव टिंकू प्रधान ने कहा कि देश के प्रति समर्पण की भावना व्यक्तिगत स्वार्थ से परे होती है। आज के समाज ने निजी फायदे को प्राथमिकता देते हुए सार्वजनिक हितों का गला घोट दिया है। सरदार भगत का जीवन समाज को हमेशा देश हित सर्वोपरि व सामाजिक कल्याण की भावना को कायम रखने में प्रेरित करता रहेगा। उपायुक्त निवास के समीप चौक पर व लघुसचिवालय मोड़ पर शहीद भगत सिंह सर्किल बनने से शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। सर्किल से गुजरने वाले राहगीर देशभक्ति के लिए प्रेरित होंगे। इस मौके पर भारत बोहरा, रवि भारती, एडवोकेट कृष्ण शर्मा, गौतम सैनी, शैलेष शर्मा, स्नेह शर्मा, योगेश, प्रमोद सैनी, पीयूष, भारत, विशाल, अर्पित गोयल, विवेक, विशाल, राजबीर, प्रमोद, मुस्कान आदि मौजूद रहे।

नारनौल। लघु सचिवालय में संस्था के सदस्य ज्ञापन देते हुए।

नारनौल। आयुर्वेदिक कालेज पटीकरा में सफेद चंदन का पौधा लगाते मुकेश मित्तल।

आयुर्वेदिक कालेज में लगाया सफेद चंदन का पौधा

नारनौल। पौधारोपण अभियान की मुहिम चलाते हुए आयुर्वेदिक कॉलेज पटीकरा में रोटेरियन मुकेश मित्तल ने सफेद चंदन का पौधा लगाया। थेरेपी ट्रैक के पास यह पौधा लगाया गया है। रोटेरियन मुकेश मित्तल ने कहा कि आयुर्वेदिक कॉलेज क्षेत्र के लोगों के लिए वरदान साबित हो रहा है। आज के समय में उपचाराधीन मरीजों को प्राकृतिक चिकित्सा द्वारा आयुर्वेदिक पद्धति से इलाज मिल रहा है, जिससे क्षेत्र की जनता लाभान्वित हो रही है। आयुर्वेदिक कॉलेज की डायरेक्टर संगीता नेहरा ने बताया कि प्राकृतिक चिकित्सा के लिए कॉलेज परिसर में अनेक औषधि युक्त पौधे लगाए गए हैं। सफेद चंदन का पौधा एक बेहद नायब औषधि है। जो आसानी से उपलब्ध नहीं होती। आज कॉलेज प्रांगण में यह पौधा लगाने से आगे आने वाले समय में यहां के लोगों को इसका लाभ मिलेगा। इस अवसर पर नवीन गुप्ता, विभु अग्रवाल, गोल्डी अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

कामयाबी कुर्सी, पिढ़ा व पिढ़ी का पलंग बुनाई करने के काम से प्राप्त की प्रसिद्धि

सिहोर का दिव्यांग सीनियर सिटीजन रामनिवास बना आमजन के लिए प्रेरणास्त्रोत

दलीप सिंह ▶▶| कनीना

गांव सिहोर निवासी 74 वर्षीय सीनियर सिटीजन रामनिवास भले ही शारिरिक रूप से दिव्यांग है लेकिन हुनर के मामले में दूसरे के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। जन्म से दिव्यांग होने के चलते उन्होंने जिंदगी से हार नहीं मानी ओर 28 वर्ष की आयु में हाथ का हुनर सीखकर जीवन में उजियारा भर दिया। रामनिवास प्लास्टिक तारों की कुर्सी से लेकर पिढ़ी का पलंग भरने में माहिर है उनके पास दूर-दराज से नागरिक कुर्सी, पिढ़ा, पंलग, खाट की बुनाई करवाने के लिए आते हैं। जिन्हें अच्छे एवं सुंदर डिजाइन के साथ तैयार किया जाता है। उन्होंने बताया कि शिशुकाल के समय उनका पोलियो बिगड़ गया था जिसके कारण वह दोनों पैरों से चलने में असमर्थ है। यौवन में वे बैसाखी के सहारे चलते थे लेकिन उम्र के अंतिम पड़ाव एवं शारीरिक दुर्बलता के चलते अब वे इलेक्ट्रिक साइकिल से इधर-उधर जाते हैं। ये साईकिल उन्हें रैडक्रॉस सोसायटी नारनौल द्वारा प्रदान की गई है। उन्होंने बताया कि दिव्यांग होने के चलते भारी काम करने में असमर्थ हैं। अविवाहित रामनिवास पिछले 45 वर्ष से उपरोक्त कार्य कर रहा है। जिससे उनका समय व्यतीत हो जाता है वहीं मेहनताना लेने से आजीविका भी चल जाती है। आसपास के क्षेत्र में उनके काम की प्रसिद्धि है। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में विवाह शादी के दौरान दिवान व बैड इस्तेमाल करने का प्रचलन बढ गया है लेकिन 45 वर्ष पूर्व विवाह-शादियों, भात-छुछक आदि सामाजिक समारोहों में पिढ़ी का पलंग, पिढ़ा व खटौला प्रदान किया जाता था। जिसकी बुनाई के लिए उनके पास एडवांस बुकिंग होती थी।

कनीना। सिहोर में पलंग की बुनाई करता सीनियर सिटीजन रामनिवास।

बैठने में आरामदायक

रामनिवास का कहना है कि विभिन्न सरकारी कार्यालयों में कार्यरत अधिकारी व कर्मचारी भी उस समय निजी एवं कार्यालयों के लिए प्लास्टिक के तारों से कुर्सी की बुनाई करवाकर ले जाते थे। जो लंबे समय तक बैठने में आरामदायक सिद्ध होती थी।